आईआईएम रांची ने संशोधित पीएच.डी. का अनावरण किया। डॉक्टरेट छात्रों के लिए कार्यक्रम और वजीफा वृद्धि

आइआइएम रांची में पीएचडी के लिए 20 मार्च तक आवेदन करने का मौका

रांची. आइआइएम रांची में पीएचडी प्रोग्राम में नामांकन के लिए आवेदन मांगा गया है. संस्था ने रजिस्ट्रेशन पोर्टल को सक्रिय कर दिया है. आवेदन की अंतिम तिथि 20 मार्च तय की गयी है. मैनेजमेंट के आठ स्पेशलाइजेशन - मार्केटिंग, ऑर्गनाइजेशन बिहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स, इकोनॉमिक्स, पब्लिक पॉलिसी, फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, इंफॉर्मेशन सिस्टम एंड बिजनेस एनालिटिक्स, लिबरल आर्ट्स एंड साइंस, ऑपरेशंस मैनेजमेंट व स्ट्रेटजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप में आवेदन किया जा सकता है. निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि आवेदकों को आवेदन के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जायेगा. इसके बाद इंटरव्यू प्रक्रिया होगी. इसमें बेहतर प्रदर्शन करनेवाले को सीमित सीटों पर नामांकन मिलेगा. सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 2000 रुपये और एससी-एसटी व दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 1000 रुपये है.

- **अभ्यर्थी पीएचडी के लिए मैनेजमेंट के आठ स्पेशलाइजेशन से चुन सकेंगे विषय**
- रिव्यू कमेटी की बैठक के बाद एग्जीक्यूटिव पीएचडी के लिए निकाला जायेगा आवेदन

पीएचडी कर सकेंगे जॉब प्रोफेशनल एग्जीक्यूटिव : प्रो दीपक ने बताया कि जॉब प्रोफेशनल भी संस्था से एग्जीक्यूटिव पीएचडी कर सकेंगे. सीमित सीटों पर अभ्यर्थी चार वर्षीय प्रोग्राम को दो चरणों में पूरा कर सकेंगे. आवेदक के लिए मापदंड तय किया गया है. एग्जीक्यूटिव पीएचडी में वैसे अभ्यर्थी ही शामिल हो सकेंगे, जो संबंधित सत्र के दौरान किसी संस्थान में 31 मार्च तक अपना पांच वर्षीय कार्यकाल पूरा कर चुके हों. इसके अलावा अभ्यर्थी को मास्टर डिग्री व पीजी प्रोग्राम में प्रथम श्रेणी से सफल होना आवश्यक है. वहीं, बीटेक के अभ्यर्थी ने कम से कम 6.5 सीजीपीए हासिल किया हो. वैसे अभ्यर्थी जो सीए, आइसीडब्ल्यूए व सीएस के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं, वह भी एग्जीक्यूटिव पीएचडी के लिए आवेदन कर सकेंगे. संस्था रिव्यू कमेटी की बैठक के बाद जल्द ही आवेदन आमंत्रित करेगी.

Prabhat Khabar, 16.01.2024, Page 7

भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची ने पीएचडी वजीफा में की बढ़ोतरी

- पीएचडी कार्यक्रम शिक्षा-उद्योग की उभरती मांगों के अनुरूप होगा
- 20 मार्च रखी है पीएचडी के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि

रांची, प्रमुख संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची ने पीएचडी वजीफा में बढ़ोतरी की है। आईआईएम रांची के पुनर्निर्मित पीएचडी कार्यक्रम शिक्षा और उद्योग की उभरती मांगों के अनुरूप होगा।

पीएचडी के लिए वजीफा वृद्धि का उद्देश्य छात्रों पर वित्तीय बोझ को कम करना है। इसके अंतर्गत मिलनेवाले में किराया-मुक्त परिसर आवास, पूर्ण ट्यूशन शुल्क माफी और पहले दो साल के लिए प्रति महीने 35,000 रुपए का वजीफा शामिल है, जो बाद में बढ़कर 40,000 रुपए हो जाएगा। इसके अलावा चार साल में 1,00,000 रुपए का आकस्मिक भत्ता, 50,000 का एकमुश्त लैपटॉप खरीद अनुदान व 2,00,000 का सम्मेलन अनुदान दिया जाएगा।

आईआईएम रांची के डॉक्टोरल प्रोग्राम एंड रिसर्च के अध्यक्ष प्रो प्रसेनजीत चक्रवर्ती ने कहा कि आईआईएम रांची के पीएचडी स्कॉलरों ने असाधारण प्रदर्शन किया है। पिछले डेढ़ साल में उन्होंने 15 से अधिक (ए और ए-एबीडीसी) प्रकाशन प्रकाशित किए हैं। आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने संशोधित पीएचडी कार्यक्रम को उत्साहजनक बताया।

अभ्यर्थी प्रबंधन के जिन क्षेत्रों में आवेदन कर सकते हैं, उनमें अर्थशास्त्र, वित्त और लेखांकन, सूचना प्रणाली और व्यवसाय विश्लेषिकी, उदार कला और विज्ञान, विपणन, संगठन व्यवहार और मानव संसाधन, संचालन प्रबंधन, रणनीति और उद्यमिता, शामिल हैं। पीएचडी में आवेदन की अंतिम तिथि 20 मार्च है।

Hindustan_31.01.2024_Pg. 06